विवरण-पत्र 2 सभा पटल पर रखा है, जिस में उन औद्योगिक संस्थानों के नाम हैं, जिनकी निवेशित पूंजी, 50 करोड़ रुपयों से अधिक है। **[पुस्तकालय में रख दिया गया। देखिये** संख्या LT- –617/68]

(ख) विवरण-पत्र 3 सभा पटल पर रखा है, जिस में 25 शीर्षस्था औद्योगिक संस्थानों के नाम तथा प्रत्येक में अलग अलग निवेशित पूंजी, का विवरण है। **[पुस्तकालय में रख दिया गया। देखिये** संख्या LT–617/68]

राष्ट्रीय कोयला विकास निगम

5345. **श्री ओंकार लाल बोहरा :** क्या इस्पात, खान तथा धातु मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकार ने राष्ट्रीय कोयला विकास निगम में कितनी पूंजी लगाई है ;

(ख) राष्ट्रीय कोयला विकास निगम द्वारा अब तक कितनी प्रगति की गई है; और

(ग) रेलवे को कोयला देने के लिये इस निगम ने क्या सुविधायें दी हैं; और यदि कोई सुविधा नहीं दी गई है, तो उसके क्या कारण हैं ?

इस्पात, खान तथा धातु मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री प्र० चं० सेठी) : (क) 31 मार्च, 1967 तक लगभग 155 करोड़ रुपये।

(ख) राष्ट्रीय कोयला विकास निगम सन् 1956 में सरकारी क्षेत्र में कोयला खानों के विकास के लिये स्थापित किया गया था। पुरानी राजकीय कोयला खानों के प्रबंध का कार्य और देश में इस्पात संयंत्रों की बढ़ती हुई मांग को पूरा करने के उद्देश्य से कोयला धोने के लिये सरकारी क्षेत्र में धावनशालाएं स्थापित करने का काम भी इसे ही सौंपा गया है। अब तक इस ने 26 कोयला खानें राजस्व लेखे पर, एक कोयला धावनशाला और एक कोक संयंत्र लगाया है। 9 कोयला खानें विकासाधीन हैं। इस समय 3 नयी कोयला धावनशालाएं भी लगायी जा रही हैं। निगम कोयला खानों और कोयला धावनशालाओं का विकास कोयले की मांग के अनुसार ही कर रहा है।

(ग) कोयला संभरण के रेलवे के आदेशों को पूरा कर दिया जाता है।

सरकारी क्षेत्र के इस्पात कारखाने

5346. **श्री गार्डिलिंगन गौड :** क्या इस्पात, खान तथा धातु मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकारी क्षेत्र के कारखानों में निर्मित लोहे तथा इस्पात के भारी स्टाक को बेचा नहीं गया है;

(ख) यदि हां, तो कारखानों में बिना बिका कितने मूल्य का तैयार माल पड़ा है और इसके क्या कारण हैं; और

(ग) क्या इनकी दरों को कम करने का कोई विचार है ?

इस्पात, खान तथा धातु मंत्री (डा० चन्ना रेड्डी) : (क) से (ग). सूचना एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जाएगी।

DEVELOPMENT OF COTTAGE INDUSTRY ON JAPANESE PATTERN

5347. SHRI GADILINGANA GOWD : Will the Minister of COMMERCE be pleased to state :

(a) whether there is any proposal under consideration to develop cottage industries in the country on Japanese pattern; and

(b) if so, the details thereof ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI MOHD. SHAFI QURESHI): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

PRODUCTION OF LYSINE

5348. SHRI GADILINGANA GOWD : Will the Minister of INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether there is lysine producing Industry in this country; and